अखिल भारतीय वैष्णव (च.से.) विकास परिषद एवं
महाअधिवेशन एवं ट्रस्ट मुम्बई का [illegible] आमसभा
अखिल भारतीय वैष्णव (च.से.) धर्मशाला
हरिद्वार ·

आम सभा
दिनांक 27, 28, 29 दिसम्बर 2013
स्थान - वैष्णव धर्मशाला शताब्दी चौक, बिरला
गली नं. 5, शांति कुंज, देव संस्कृति
विश्वविद्यालय, हरिपुर कला गांव, ऋषिकेश
हरिद्वार उत्तराखण्ड

अखिल भारतीय वैष्णव (च.से.) विकास परिषद एवं
ट्रस्ट मुम्बई का द्वितीय राष्ट्रीय महासम्मेलन / अधिवे
एवं अखिल भारतीय वैष्णव (च.स.) धर्मशाला हरि
की आमसभा संयुक्त रूप से पोष कृष्ण पक्ष 9, 10, 11
संवत 2070 दिनांक 27, 28 एवं 29 दिसम्बर 2013 को
हर्षोल्लास, भक्तिभाव, सेवाभाव, सहयोगभाव एवं समर्प
से एतिहासिक रूप से देवभूमि हरिद्वार मे सम्पन्न
हुआ ।

इस महासम्मेलन एवं आमसभा में मुख्य रूप से
राजस्थान के जोधपुर, पाली, अजमेर, नागौर, जयपुर
अलवर, भरतपुर, कोटा, सवाईमाधोपुर, बूंदी, रामगंज
बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, उदयपुर,
टोंक, दौसा, धोलपुर, करौली, श्रीगंगानगर, बीकानेर
भीलवाड़ा, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर इत्या
सम्पूर्ण राजस्थान से हजारों की संख्या में वैष्ण
परिवार सहित उपस्थित हुए ।

इस महासम्मेलन एवं आमसभा में मध्यप्रदेश के मंदसे
रतलाम, इन्दौर, राजगढ़ ब्यावरा, मुरैना, ग्वालियर,
श्योपुर, आष्टा, मंडला, सतना, भोपाल, इत्यादि
के विभिन्न तहसीलों एवं गांवों से हजारों की संख्
में वैष्णव बन्धु परिवार सहित उपस्थित हुए ।

छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर, बिलासपुर, जांजगीर, महासमुंद, रायगढ़, कोरबा, दुर्ग, जिलों से भी सैकड़ों की संख्या में वैष्णवजन उपस्थित हुए। उत्तरप्रदेश एवं दिल्ली राज्यों, पंजाब एवं हरियाणा के क्रमशः मथुरा, आगरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, गुड़गांव, फरीदाबाद, उड़ीसा राज्य के कवर्धा, राजनांदगांव, धमतरी जिलों से गुजरात प्रदेश के अहमदाबाद, सूरत, सुरेन्द्रनगर, कच्छ, जूनागढ़, मांडवी, भुज, आनंद, बड़ौदा, गांधीधाम इत्यादि जिलों से एवं दक्षिण भारत के टुमकुर, बैंगलोर चेन्नई, मदुराई, हैदराबाद, सिकन्दराबाद, इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों से वैष्णव परिवार सहित पधारे।

इस त्रिदिवसीय महाअधिवेशन, वैष्णव धर्मशाला हरिद्वार के उद्घाटन एवं आमसभा अनन्तश्री विभूषित जगद् गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी श्री रामनरेशाचार्यजी महाराज श्रीमठ पंचगंगा काशी की करकमलों से एवं उनके सानिध्य में संपन्न हुआ।

निर्धारित कार्यक्रमानुसार प्रथम दिवस दिनांक 27 दिसम्बर 2008 को महासम्मेलन का उद्घाटन सत्र जगद्गुरुजी के करकमलों द्वारा भगवान विष्णु को माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर प्रारम्भ किया गया। मंचासीन विकास परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जयन्ति भाई, विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामचन्द्र जी वैष्णव राष्ट्रीय महासचिव परिषद् श्री लखनदास जी वैष्णव महासचिव ट्रस्ट श्री एन. डी. निम्बावत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परिषद् श्री राम किशन शर्मा, श्री भगवानदास वैष्णव, श्री गजेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष परिषद्

इन्द्रजीत वैष्णव, ट्रस्ट सचिव श्री भानुशंकर जी वैष्णव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हरिद्वार नगर पालिका अध्यक्ष श्री मनोहर गर्ग, प्रोफेसर मदनमोहन वैष्णव अहमदाबाद, डॉ. के. जी. वैष्णव माण्डवी एवं श्री कृष्ण कुमार जी बाबा, लुधियाना ने जगद्गुरु का माल्यार्पण कर अभिनन्दन स्वागत एवं सम्मान किया।

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामनरेशाचार्य जी ने दिनांक 27, 28 एवं 29 तीनों ही दिनों में संपूर्ण महाअधिवेशन में सभी लोगों के मध्य उपस्थित रहे। दिनांक 28 दिसम्बर 2013 को प्रातः 9 बजे बड़ी धूमधाम से गाजो बाजो के साथ शोभायात्रा चली जिसका समापन वैष्णव धर्मशाला के प्रवेश द्वार पर हुआ। जगद्गुरु जी के सानिध्य में एवं करकमलो से परम्परागत तरीके से फीता काट कर धर्मशाला का उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात जगतगुरुजी के साथ धर्मशाला में उन सभी कमरों का दीप फीताकाट कर उद्घाटन किया गया जिन परिवारों के सहयोग से कमरे बने उन सभी कमरों के उद्घाटन में सहयोगकर्ता के परिवारजन जगद्गुरुजी के साथ रहे।

दिनांक 28 दिसम्बर 2013 को द्वितीय सत्र राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के रूप में आयोजित हुआ जिसमें केवल और केवल नारी शक्ति मातृशक्ति एवं महिलाओं द्वारा संचालित किया गया जिसमें श्रीमती कमला लखनदास वैष्णव राष्ट्रीय अध्यक्षा विकास परिषद श्रीमती यशोदाबेन महासचिव श्रीमती कमला रामचन्द्र वैष्णव मुम्बई श्रीमती पद्मा जयन्ति भाई वैष्णव मुम्बई, श्रीमती भानुमति, गोविन्द जी वैष्णव मुम्बई, सुश्री दिव्याबेन

सुरेन्द्र नगर कुमारी प्रफुल्ला बेन धारी अमरेली, श्रीमति विजयलक्ष्मी शर्मा मथुरा, श्रीमती संतोष भगवानदास उदयपुर, श्रीमती पुष्पा भानुशंकर जी वैष्णव मुम्बई, श्रीमती पूर्णिमा इन्दुप्रीत वैष्णव मुम्बई, श्रीमती मंजुलता शिवकुमार जी वैष्णव कोरबा, श्रीमती इन्द्रा महावीर जी वैष्णव, सुश्री हेमा निरंजनी रतलाम, श्रीमती चंद्रिका वैष्णव बिलासपुर श्रीमती तारा देवकिशन जी वैष्णव मुम्बई, श्रीमती इन्द्रा एन.डी. निम्बावत जोधपुर, श्रीमती गरिमा जितेश जी वैष्णव, श्रीमती पुष्पा हजारीलाल जी वैष्णव फरीदाबाद, श्रीमती लता वैष्णव बिलासपुर, आतिशजवैष्णव श्रीमती कमला देवी रामनिवास वैष्णव अजमेर, श्रीमती लीला देवी गोपाल दास वैष्णव कादेड़ा श्रीमती कमला देवी श्याम सुन्दर जी सांवतसर श्रीमती पुष्प लता सत्यनारायण जी रामावत पुष्कर श्रीमती शंकुतला रामकिशन जयपुर, श्रीमती राजकुमारी वैष्णव बाड़मेर, श्रीमती शीला बैरागी, श्रीमती भानकुंवर जयकिशन देवमुरारी अजमेर, श्रीमती प्रेमी देवी जेठूदास वैष्णव अजमेर, श्रीमती गीता देवी बाबूलाल सांवतसर, श्रीमती विद्यादेवी पुखराज जी निम्बावत थांवला, कुमारी पूनम वैष्णव दुर्ग इत्यादि महिलाओं ने खुलकर अपने विचार प्रकट किये और एक शानदार एवं यादगार राष्ट्रीय महिला सम्मेलन को अंजाम तक पहुंचाया।

इस महासम्मेलन, उद्घाटन समारोह एवं आमसभा को सफल बनाने में अग्रानुसार आर्थिक सहयोग दिया गया।

1 महाप्रसादम हेतु श्री भगवान दास जी गोविन्द राम जी वैष्णव सेवाड़ी मुम्बई (डॉ. शंकर वैष्णव जगदीश वैष्णव जयन्ति भाई वैष्णव, रमेश

वैष्णव एवं यशोदा बेन), श्री रामचन्द्र जी वैष्णव जेठूदास जी कराड़ी, श्री लक्ष्मणदास जी जेठूदास जी वैष्णव कराड़ी, इन्द्रजीत जी भूरदास जी वैष्णव चूनी भाडीवगंज मुम्बई, विष्णु दास जी ठाकुरदास जी अग्रावत धुम्बड़िया (मुराई) श्री केशुदास जी उमकार दास जी कराडी (मुम्बई) पंडित श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा (मथुरा), श्री पुष्कर स्थानीय स्वामी कार्यकारिणी महेन्द्र कुमार जसराज जी वैष्णव जेतारण (ठूमकुर), श्री रतन दास जी ठाकुर दास जी वैष्णव बावली (बैंग्लोर) श्री कृष्ण अवतार श जयपुर

2. अमृतभोग हेतु सहयोगकर्ता डॉ. चन्द्रकुमार देवमुरारी ब्यावर अजमेर, श्री भगवान दास वैष्णव उदयपुर

3. राजभोग हेतु सहयोगकर्ता श्रीमती कमला लखनदास वैष्णव रायपुर, श्री चंपालाल जी, कन्हैयालाल जी ओमप्रकाश जी पिता श्री चोकरदास जी वैष्णव कराड़ (गांधीधाम) श्री मांगीलाल जी नरसिंह दास जी वैष्णव रामपुर कला (दिल्ली), श्री एन.डी. निम्बावत श्रीमती जड़ाव देवी) श्रीराम राम निम्बावत वैष्णव परमार्थ ट्रस्ट), श्री भगवान दास वैष्णव (योगानन्द रामेश्वर नगर जोधपुर, श्रीमती इन्दा महावीर जी शर्मा कोटा एवं श्री श्याम सुन्दर जी नरहरियानन्द हरिद्वार।

4. शीतभोग हेतु सहयोग कर्ता श्री वृषपाल वैष्णव हरिद्वार, श्री जयपुर वैष्णव समाज (श्री सत्यनारायण) शर्मा, श्रीराम किशन शर्मा जयपुर, श्री रामानन्दी वैष्णव समाज (आणंद) महन्त श्री विनोद भाई श्री मदनलाल वैष्णव मोती लाल वैष्णव लाडवा, श्री भंवर लाल वैष्णव (भैयाल), जोधपुर

5. प्रसादम हेतु सहयोगकर्ता श्री सुंदरदास अग्रावत लोरडी जोधपुर, श्री जगमोहन शर्मा अलवर, श्री सेठूराम शाम

अलवर, श्री हसमुख भाई देवमुरारी मीनपुर गुजरात श्री पन्नालाल वैष्णव मगरा पुंजला जोधपुर, श्री गणपत लाल स्वामी (कुचामन सिटी) जोधपुर श्री हनुमान दास वैष्णव चांदपोल, जोधपुर, श्री गौतमदास वैष्णव (बालेसर) जोधपुर, श्रीमती मीना देवी ओमप्रकाश वैष्णव जोधपुर, श्री अमरदास वैष्णव जोधपुर, श्री रामेश्वर प्रसाद जोजयाली जोधपुर श्री हेमदास वैष्णव नीमला जोधपुर, डॉ. गोपालराम स्वामी खिरोड़ जयपुर श्री ओमदास कृपादास निम्बावत झंवर जोधपुर, श्री शिवदास वैष्णव रंगमारिया रोड, जोधपुर श्री प्रभुलाल जी शर्मा अलवर।

इस त्रिदिवसीय महाअधिवेशन, उद्घाटन समारोह एवं आमसभा के शीतकाल में जबरदस्त रूप में विकास परिषद एवं ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जयन्ति भाई, ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामचन्द्र जी वैष्णव, परिषद के महासचिव श्री कंचनदास वैष्णव, ट्रस्ट के महासचिव श्री एन.डी. निम्बावत, रमेश वैष्णव भानुशंकर वैष्णव, भगवानदास वैष्णव, एवं श्री ब्रह्मपाल वैष्णव के निर्देशन पर जोधपुर के युवा कार्यकर्ता गौरव निम्बावत, जितेन्द्र निम्बावत, महेन्द्र निम्बावत, विनोद वैष्णव, मांगीलाल वैष्णव गौतमदास वैष्णव, गणपत लाल स्वामी इत्यादि पाली वैष्णव समाज की सम्पूर्ण टीम ने पंजीयन आवास परिवहन भोजन व्यवस्था को बहुत ही व्यवस्थित एवं सुन्दर ढंग से अन्त तक संभाले रखा।

दिनांक 27 व 28 दिसम्बर की रात्रि में खण्डार सवाईमाधोपुर के श्री बुद्धिसागर (वंटी वैष्णव)

एवं उसकी टीम ने बहुत आकर्षक एवं मनमोहन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। ग्वालियर की निशा वैष्णव, श्योपुर के धर्मेन्द्र वैष्णव एवं कच्छ के राजेन्द्र कुमार कुबावत की पुत्रियों ने आकर्षक नयनाभिराम नृत्य प्रस्तुत कर ठण्डी रात में जबरदस्त तालियों की गड़गड़ाहट से गर्माहट पैदाकर दी।

जगद्गुरु के श्रीमुख :-

इस त्रिदिवसीय महाधिवेशन, उद्घाटन समारोह एवं आमसभा के दौरान जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामनरेशाचार्य जी महाराज के प्रवचनों ने संपूर्ण पाण्डाल को जिस तरह से भक्तिभावों से और सनातन धर्म से वैष्णवजनों को अभिप्रेत किया कि सम्पूर्ण पाण्डाल में लोगों ने एकदम शांति से उनके प्रवचनों को सुना। गुरुजी की एक अनोखी और विशिष्ट शैली के उद्बोधन को सार रूप में यहां प्रकट किया जा रहा है। आपने बताया कि वैष्णवों का समाज में महत्वपूर्ण योगदान है। वैष्णव समाज ने पुष्कर से लेकर हरिद्वार की पावन भूमि तक धर्मशालाओं के निर्माण का जो पुण्य कार्य किया है वो वैष्णव समाज के इतिहास में स्वर्णिम है। सर्वश्रेष्ठ भारत भूमि जिसमें मोक्ष, पावन भूमि गंगे हरिद्वार जो सनातन धर्म का केन्द्र है। भगवान विष्णु हमारे पालक हैं हमारे ईष्टदेव है। ऐसे वैष्णव कुल में हमारा जन्म परम सौभाग्य की बात है जो सभी को प्रेरित करे उसे भगवान कहते हैं। हमारा विश्वास सकारात्मक है, किसी की निन्दा नहीं करते। भगवान विष्णु हमारे कर्मों का फल देते रहते हैं। दुनिया में हर आदमी के सामने समस्याएं हैं पूर्ण

संतुष्टी एवं सुखी व्यक्ति की रचना परमात्मा ने नहीं की है। जितना कुछ प्राप्त है उस पर आनन्द मनाने, संतुष्ट रहने और अधिक प्राप्त करने के लिए प्रयत्न करते रहने की नीति जिसने अपना ली है। उसके लिए हंसते रहने के अनगिनत कारण अपने चारों ओर निखरे दिखाई पड़ते हैं। जिस समाज को श्री जयन्ति भाई और श्री राम चन्द्र जी जैसे व्यक्तियों का नेतृत्व प्राप्त हुआ हो वह केवल ईश्वर कृपा ही है एक नटखट (श्री कृष्ण रूप) (श्री जयन्ति भाई) दूसरा सदा औरों के कल्याण के बारे सोचने वाला भगवान रामचन्द्र स्वरूप (श्रीरामचन्द्र जी) के शुभ मिलन से पुरा वैष्णव समाज उन्नत हो रहा है। हमारा यह महोत्सव ऐतिहासिक महोत्सव है।

इस अवसर पर विकास ट्रस्ट के कई वैष्णव बन्धु ट्रस्टी भी बने।

आयोजन की कुछ विशिष्टताएं :-

1. परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री [illegible] वैष्णव बाली ने अपने ओजस्वी संचालन से तीनों दिन सभी को प्रभावित किया। बांधे रखा। और आयोजन की सफलता के सूत्रधार बने।
2. बोम्बे से आये केटर श्री आविक भाई ने संपुर्ण अधिवेशन काल में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों से सभी महानुभावों का मन जीत लिया।
3. दिनांक 28 दिसम्बर के कार्यक्रम की अध्यक्षता महेन्द्र कुमार वैष्णव रूमपुर ने की।
4. विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई में सभी सहयोगियों का गर्मजोशी से शॉल, माला, श्रीफल से सम्मान किया गया। मृत्युंजय वैष्णव एवं विजय रामावत ने वैष्णव गौरव पत्रिका के सदस्य बनाये एवं माहिम निम्बावत ने वैष्णव धर्मशाला [illegible] प्रजनटेशन दिया।